(1) 12/9/20

B.A. Part I
Hindi Hons
I Paper
मध्यकालीन हिन्दी काव्य

डॉ० अनुपमा कुमार
एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी विभाग
एस०एन० एस० कॉलेज
जहानाबाद

जायसी - गोरा-बादल युद्ध खंड

प्रश्न- प्रस्तुत पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या करें -

भए संग गोरा-बादल बली,
कहत चली पदमावति चली॥
हीरा रतन पदारथ झूलहिं।
देखि बिमान देवता भूलहिं॥
सोरह सै संग चली सहेली।
कँवल न रहा और को बेली॥
राजहि चली छोड़ावै तहँ रानी होइ ओल।
तीस सहस तुरि खिंची संगा, सोरह सै चंडोल॥

उत्तर: — प्रस्तुत पंक्तियाँ जायसी कृत पदमावत के गोरा-बादल युद्ध खंड से ली गई है।

प्रसंग — प्रस्तुत पंक्तियाँ उस समय की है जब अलाउद्दीन के कैदखाने से राजा के छुड़ाने के लिए सोलह सौ पालकियों के साथ पूरी तैयारी से गोरा और बादल चित्तौड़ से प्रस्थान करते हैं।

मूल भाव — इसका मूल भाव यह है कि रानी आपने को छिपाकर के रूप में रहकर गोरा-बादल जैसे वीर पुरुष के नेतृत्व सोलह सौ पालकियों एवं तीस हजार घोड़ों के साथ राजा को छुड़ाने के लिए प्रस्थान करती है।

31 SUNDAY
Never give an order that cannot be obeyed.

क्रमशः —

AUG 2014
S M T W T
31
3 4 5 6 7
10 11 12 13 14
17 18 19 20 21
24 25 26 27 28

हिन्दी प्रभारी (डॉ) 1२/9/२० क्रमशः
Hindi ...

SEPTEMBER
01
36th Week • 244 Day
MONDAY

आलोचना

व्याख्यात्मक टिप्पणी – राजा को छुड़ाने के लिए गोरा - बादल जैसे वीर पुरुषों के नेतृत्व में पालकियों भेजा गया। ये राजपूत योद्धा करते पहले ही कि दूत ने निर्देश की रानी पद्मावती आ रही है। रानी की पालकी में होने, लगभग सोलह सौ रानी आते हुए थे। इतनी विशाल सब पालकी की संख्या को देखकर ऐसा लोग भी मोहित हो रहे थे। पालकियों को देखकर लग रहा था कि रानी के साथ अनेक सखियाँ जा रही हैं। पर वास्तव में यह है कि उन पालकी में पद्मावती नहीं जा रही थी। दूसरा पक्ष यह कहता है कि जब रानी पद्मावती पद्मावती वहाँ नहीं थी तो अन्य सखी सखियों का क्या कहना।

रानी पद्मावती अपने को अलाउद्दीन के बन्धन में रहकर तीन हजार घोड़े और सोलह सौ पालकियों के साथ चल पड़ी)

जायसी – कंगन ना कहूँ और की बोली –

यहाँ अलंकार अतिशयोक्ति को व्यंजना है। यहाँ पर पद्मावती की ... कोमलता और सौन्दर्य व्यंजना है, व्यंग्यार्थ है कि जब पद्मावती ही नहीं जाई तो दूसरी सखियों के जाने का प्रश्न ही नहीं उठता। एक व्यंग्यार्थ यह भी है कि जब पद्मावती जा रही थी तो फिर दूसरी सखियों को जो उसके पैर का धोवन भी नहीं था जाना स्वाभाविक ही था। कहीं-कहीं बालिस हजार घोड़े का भी वर्णन है।

क्रमशः –

(3) 12/9/20 क्रमशः

<u>पद्मावती</u>

B.A. Part I — डॉ० अरविन्द कुमार
Hindi Hons — ए०एन०एस०एम० कॉ०
औरंगाबाद

सभी प्रश्नों के मान बराबर हैं।
वस्तुनिष्ठ प्रश्न 1×10 = (10)

(1) किसके नेतृत्व में राजा को छुड़ाने के लिए पालकी सजा पड़ी।
(2) कितने हजार घोड़े राजा को छुड़ाने के लिए सजे पड़े।
(3) रत्नसेन कहाँ के राजा थे।
(4) पद्मावती किसकी पत्नी थी।
(5) राजा को किसने कैद किया था।
(6) पद्मावती की पालकी में अंदर कौन बैठा था।
(7) राजा की पालकी की सुन्दरता देखकर कौन मोहित हो रहे थे।
(8) हीरे और रत्न किसकी पालकी में लगे हुये थे।
(9) गोरा-बादल कैसे पुरुष थे।
(10) राजा को छुड़ाने के लिए लोग कहाँ से प्रस्थान करते हैं।